नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

रणनीति और धैर्य का आदर्श उदाहरण

ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर भारत ने जो किया, वह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट की जिजीविषा, रणनीति और धैर्य का आदर्श उदाहरण बन गया. इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में 6 रन की यह जीत भारत की टेस्ट इतिहास में सबसे कम रनों के अंतर से दर्ज की गई जीत है—पर इसके मायने इससे कहीं अधिक हैं. यह सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं था, यह उस आत्मविश्वास, संयम और साहस की कहानी थी जो पांच दिनों में रचा गया.

जब इंग्लैंड को आखिरी दिन जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट की जरूरत थी, तब मुकाबला गेंद और बल्ले के बीच एक शुद्ध युद्ध में तब्दील हो गया था. मोहम्मद सिराज और कृष्णा की जोड़ी ने उस निर्णायक क्षण में जो धार दिखाई, उसने क्रिकेट के हर प्रशंसक को रोमांचित कर दिया.

सिराज ने पूरे मैच में 5 विकेट चटकाए और अंतिम दिन 3 महत्वपूर्ण विकेट लेकर इंग्लैंड की रीढ़ तोड़ दी.

प्रसिद्ध कृष्णा, जो अपेक्षाकृत नए हैं, उन्होंने 4 विकेट लेकर यह जता दिया कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ अब सिर्फ विकल्प नहीं, विजेता बनाने वाली शक्ति बन चुकी है.

374 रनों का लक्ष्य इंग्लैंड के लिए चुनौतीपूर्ण जरूर था, लेकिन बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ी की मौजूदगी और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त दे रहा था. भारत के लिए यहां जीत दर्ज करना सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मनोबल और मानसिक दृढ़ता की कसौटी थी—जिसे रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने बखूबी पार किया.

यह जीत और भी खास इसलिए है क्योंकि इसने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रा में बदल दिया, जो शुरुआती दौर में भारत के लिए कठिन दिख रही थी. यह न सिर्फ इंग्लैंड के घर में सम्मानजनक समापन था, बल्कि आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए भी भारत ने खुद को मजबूती से तीसरे स्थान पर ला खड़ा किया है.

इस मुकाबले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट न तो पुराना है, न बोरिंग. जब सही रणनीति, उत्साह, और जुनून होता है, तो पांच दिनों का खेल भी हर पल नया रोमांच रच सकता है. ओवल की इस जीत ने भारत को सिर्फ अंक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, वैश्विक सम्मान और क्रिकेट की परिभाषा को दोबारा रचने की क्षमता प्रदान की है. इंग्लैंड के जबड़े से छीनी गई यह जीत आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में दर्ज होगी—और युवा खिलाड़ियों को यह सीख देगी कि धैर्य, मेहनत और जज़्बा मिलकर हर असंभव को संभव बना सकते हैं. क्रिकेट की इस महत्वपूर्ण जीत से देश में खेलों का वातावरण बनेगा. खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र से प्रतिभाएं सामने आएंगी. भारतीय क्रिकेट टीम ने जता दिया कि उसकी खेल प्रतिभाएं बड़े-बड़े नामों की मोहताज नहीं है. मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों का आगे आना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि मोहम्मद सिराज अत्यंत सामान्य परिवार और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं.

मालवा- निमाड़ की डायरी

पिता की साख पर फिर से जमीन तलाश रहे दीपक जोशी

संजय व्यास

भारतीय जन संघ से जनता पार्टी फिर टूटकर पृथक पार्टी बनी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का नाम भी है. और उन्हीं की सियासी जमीन पर उनके पुत्र दीपक जोशी ने भी एक बार बागली विधानसभा से एवं एक बार हाटपिपलिया विधानसभा से जीत कर परंपरागत जमीन को बचाए रखा, लेकिन कमलनाथ सरकार के विद्रोह के समय ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी में आ गए. इस खेल में दीपक जोशी की परंपरागत सीट हाटपिपलिया उनके हाथ से चली गई और बागली सुरक्षित होने की वजह से पहले से ही छिन गई थी. हाटपिपलिया में कांग्रेस से जीतकर विधानसभा पहुंचे मनोज चौधरी उपचुनाव में भाजपा से जीतकर विधानसभा पहुंचे. उस समय भारतीय जनता पार्टी की मजबूरी थी कि भाजपा सरकार बनने में मददगार रहे इन सिंधिया समर्थक विधायक को टिकट देना. सो दीपक जोशी के लाख जतन पर भी उप चुनाव में वे टिकट न पा सके. समय के साथ पार्टी में सम्मान नहीं मिलने के कारण दीपक जोशी ने विगत 2023 के चुनाव में कांग्रेस का दामन थाम लिया. भाजपा में रहते क्षेत्र की बची खुची सामान्य सीट कन्नौद-खातेगांव विधानसभा सीट जिस पर दीपक जोशी की दाल गल सकती थी, पर अपने पैर पर कुलहाड़ी मारते हुए इस सीट पर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ लिया और बुरी तरह हार गए. सरकार बनाना तो दूर प्रदेश में कांग्रेस पहले से और पिछड़ गई. ऐसे में दीपक जोशी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे थे मौका देखकर बड़े नेताओं का हवाला देकर फिर से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया. पूर्व शिक्षा मंत्री रह चुके दीपक जोशी को पार्टी में रही अपने पिता की साख और महत्ता का ही सहारा है. विगत दिनों भोपाल में कैलाश जोशी के जन्म जयंती समारोह में भाजपा और संघ संगठन से जुड़े बड़े-बड़े राजनेताओं से मुलाकात हुई अब फिर से अपनी जमीन की तलाश में दीपक जोशी लग गए हैं.

हालांकि देवास जिले में अब ऐसी कोई सीट नहीं बची जहां उनकी दाल गल सके. विश्वस्त सूत्रों की माने तो भोपाल क्षेत्र में ही किसी विधानसभा से वह भाग्य आजमा सकते हैं लेकिन यह सब कुछ भाजपा संगठन की सहमति के बगैर संभव नहीं है. दूसरे स्तर की राजनीति जिसमें किसी निगम मंडल का अध्यक्ष बनने की भी कवायद लगाइ जा रही है. हालांकि दीपक जोशी के सुपुत्र जयवर्धन जोशी भारतीय जनता पार्टी संगठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं लेकिन विधानसभा से चुनाव लडना उनके बस की बात नहीं. अब किस्मत से बागली विधानसभा सामान्य सीट होती है तो दीपक जोशी की घर वापसी हो सकती है.

माइक्रो फाइनेन्स का मकड जाल

मंदसौर जिले में माइक्रो फाइनेन्स का मकड जाल बढ़ता जा रहा है. ये गरीब मजदूर वर्ग की मज़बूरी का फायदा उठाकर मनमाने ब्याज लगाकर वसूली करते चले जा रहे हैं. मंदसौर जिले सहित माइक्रो फाइनेन्स के नाम से गरोठ शामगढ़ में आरबीआई की गाइड लाइन की धज्जिया उड़ा रहे ऑफिस और बैंक संचालित हो रहे हैं. कई लोन बाँटने वाले माइक्रो फाइनेंन्स के एजेंट कमीशन और सेलरी के लिए दिनभर छोटी मोटी दुकान और गांव मे घर घर जा चिकनी चुपड़ी बातों में उलझा कर लोन देकर मनमाना ब्याज वसूल कर रहे हैं. जिले मे कई सोसाइटी और माइक्रो लोन कंपनियों सहित समूह लोन का कारोबार फल फूल रहा है. आम लोगों को पता ही नहीं कौन आरबीआई से कनेक्ट है और कौन फर्जी. अंततः नागरिकों के साथ बढ़ती लूट खसोट को लेकर हाल ही में जिला पुलिस कप्तान ने जांच के लिए थाना प्रभारियों को आदेश जारी किए हैं. अब देखना होगा कि इसमें कितने फर्जी निकलते हैं और क्या कार्रवाई होती है.

हेमंत के आह्वान को जमीन पर उतार रहे कैलाश

राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं में शामिल वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने निवास पर इंदौर शहर के प्रमुख नेताओं को भोजन पर आमंत्रित किया देखने में तो यह एक सामान्य प्रक्रिया लगती है पर इसके परिणाम कितने बेहतर हो सकते हैं, यह अगर आप विचार करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाय पर चर्चा कर पूरे देश का रुख बदल दिया था.

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सभी जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेताओं को आह्वान किया था कि वह अपने निवास पर अन्य वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके साथ भोजन करें, इससे आपस में प्रेम बढ़ता है और संवाद जब होता है तो कई तरह के विचारों का आदान-प्रदान आपस में होता है जिससे आपस में आत्मीयता बढ़ती है. यह आपस के संवाद मेल - मुलाकात,एक दूसरे के परिवार में आना-जाना यह भाजपा की पूर्व परंपरा रही है.

कुशाभाऊ ठाकरे से लेकर भाजपा के बड़े से बड़े नेता पहले जहां भी प्रवास पर जाते थे वह कार्यकर्ताओं के निवास पर ठहरते थे और वहीं पर भोजन ग्रहण करते थे. इससे कार्यकर्ता का पूरा परिवार विचारधारा से जुड़ता था और वह गर्व महसूस करता था कि भाजपा के सुप्रीम लीडर उनके निवास पर ठहरते और भोजन ग्रहण करते थे. आज भी कई भाजपा के कार्यकर्ता मिल जाएंगे जो गर्व से कहते हैं अटल बिहारी वाजपेई, राजमाता सिंधिया, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदरलाल पटवा, विजय खंडेलवाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हमारे निवास पर भोजन किया. प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की इस पहल को सबसे पहले कैलाश विजयवर्गीय ने अपनाया और इंदौर शहर के दिग्गज नेताओं को खाने की एक टेबल पर इकट्ठा किया और एक पारिवारिक माहौल में कई विषयों पर आपस में चर्चा की. यह शुरुआत भाजपा की पुरानी परंपरा को पुनः जीवित कर रही है इससे नेताओं में आपसी प्रेम और सदभाव बढ़ेगा जो भारतीय जनता पार्टी को और मजबूत करेगा.

वर्तमान समय की व्यस्ततम जीवनशैली में हर व्यक्ति इतना व्यस्त है कि उसे समय नहीं मिलता कि वह दूसरे के घर पहुंच कर कुछ समय व्यतीत करे.

> आज पूरे इंदौर शहर में कार्यकर्ता आपस में इस भोज की चर्चा कर रहे हैं, यह कार्यकर्ताओं में एक बहुत अच्छा संदेश गया है जो कार्यकर्ताओं में आपस में मेलजोल को बढ़ाने का एक बड़ा मंच बनेगा.कैलाश विजयवर्गीय पार्टी के निर्देशों और आदेशों का किस तरह पालन करते हैं यह भोज भी इसका एक जीता जागता उदाहरण है. कैलाश विजयवर्गीय की इस पहल को अन्य वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों को अंगीकृत करना चाहिए और इसे तुरंत अपनाना चाहिए जिससे पार्टी अध्यक्ष के निर्देशों का पालन तो होगा ही साथ ही आपस में एक नए भाईचारे का संदेश जाएगा जो भाजपा एक परिवार है इस संदेश को आगे बढ़ाएगा.

विधायकों को नसीहत

अंचल के कई विधायकों में ठसका दिखाने का चलन हावी होता जा रहा है . उनकी भूमिका अक्सर उनके पुत्र निभाते जब-तब नजर आ जाते हैं . विगत दिनों ऐसे जनप्रतिनिधि पार्टी की बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निशाने पर रहे . नसीहत दी गई है कि आप सभी अपने परिवार को आगे बढ़ाने की बजाए पार्टी को आगे बढ़ाएं . सरकारी कामों और संगठन के कामों में विधायक खुद पहुंचे और बेटों को ना भेजें . क्योंकि कई जगहों पर बेटा ही भाषण देकर आ जाता है . इसलिए इन सब बातों का विशेष ध्यान रखा जाए .

गडकरी ने की गांधी-नेहरू की सराहना

बीजेपी के अन्य नेताओं का दृष्टिकोण चाहे जैसा हो, लेकिन केंद्रीय भूतल परिवहन व महामार्ग मंत्री नितिन गडकरी अपने विचारों को लेकर बहुत स्पष्ट हैं. वे महात्मा गांधी या प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के प्रति अनावश्यक पूर्वाग्रह नहीं रखते, बल्कि उनके अच्छे कार्यों का उल्लेख करने में भी कंजूसी नहीं करते. एक ओर जहां अधिकांश शीर्ष बीजेपी नेता देश की सारी समस्याओं के लिए बार-बार नेहरू को दोषी ठहराते हैं और उन पर वंशवाद पनपाने का आरोप लगाते हैं, वहीं गडकरी ऐसा नकारात्मक रवैया नहीं अपनाते.

आजादी के बाद अपने देश के विकास की आधार शिला रखने वाले नेताओं के योगदान का उल्लेख वह निस्संकोच करते हैं. कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के च्इंडिया ञ्च 100 विजन में विदर्भ की भूमिकाञ् पर बोलते हुए गडकरी ने कहा कि विदर्भ क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हमें नेहरू और गांधी के शब्दों को ध्यान में रखना होगा. नेहरू ने कहा था कि भारत को अधिकतम उत्पादन करना चाहिए जबकि गांधी ने कहा था कि हमें अधिकतम उत्पादन के साथ ही अधिकतम लोगों का सहभाग भी चाहिए. इस तरह गडकरी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और आधुनिक भारत के निर्माता व औद्योगिकरण को बढ़ावा देने वाले प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू के उद्गारों का बेहिचक उल्लेख किया. गडकरी निष्पक्ष तरीके से अपनी बात रखते हैं और सही बात को सही तथा गलत को गलत कहने में कभी पीछे नहीं रहते. किसी को लग सकता है कि गडकरी बीजेपी की उस पार्टी लाइन से चिपककर नहीं चलते, जिसमें नेहरू को खलनायक बताने का रिवाज है. वह बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं लेकिन देश के विभाजन, कश्मीर समस्या, इमरजेंसी जैसे पुराने मुद्दों का बार-बार अपने भाषणों में इस्तेमाल कर नेहरू-इंदिरा को निशाना बनाने वाले अन्य पार्टी नेताओं के समान घिसा हुआ रिकार्ड बार-बार नहीं बजाते.

निशानेबाज

उद्धव से नहीं होगा मनोमिलन महायुति का गुलजार है चमन

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, जब दो दिलों में दूरियां बढ़ जाती हैं तो यही कहा जा सकता है- हमसे आया न गया, तुमसे बुलाया न गया, फासला प्यार का दोनों से मिटाया न गया! मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कह दिया कि उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी राजनीतिक समझौते की संभावना नहीं है.

हमने कहा, जब बीजेपी के नेतृत्व में महायुति 232 विधायकों के साथ जबरदस्त मेजॉरिटी में है तो किसी और को साथ लेने की क्या जरूरत! इसीलिए देवेंद्र ने उद्धव के लिए च्नो एंट्रीञ्का बोर्ड लगा दिया. इससे एकनाथ शिंदे को तसल्ली हुई होगी कि उद्धव को दूर रखा जा रहा है. बीच में फडणवीस और उद्धव की मुलाकात की वजह से अटकलें लगने लगी थीं कि उनके बीच कोई खिचड़ी पक रही है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, देवेंद्र फडणवीस तो 2019 में भी सभी सीटों पर बीजेपी को चुनाव मैदान में अकेले उतारने को तैयार थे लेकिन तब पार्टी हाईकमांड ने हिंदुत्व के नाम पर शिवसेना के साथ सीट बंटवारे को कहा था. पुरानी

बातों को छोड़ दें तो यही कहना होगा कि देवेंद्र ने शिवसेना और राकांपा तोड़ने में बड़ी राजनीतिक कुशलता दिखाई. इसे उनकी चाणक्य नीति माना गया. महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार को देवेंद्र ने अपनी कूटनीति से करारी मात दी. वह दोनों डिप्टी सीएम अजीत पवार और एकनाथ शिंदे को साथ लेकर चल रहे हैं और उनका दावा है कि महायुति सरकार पूरे 5 साल चलेगी. हमने कहा, यह तो मानना होगा कि देवेंद्र फडणवीस का विलपॉवर बहुत मजबूत है. जब वह विपक्ष के नेता थे तब भी अपने सत्ता में लौटने का इरादा जताते हुए बार-बार कहते थे- मी पुन्हा येईन (मैं फिर से वापस आऊंगा) मेरा पानी उतरता देखकर मेरे किनारे घर मत बना लेना, मैं समंदर हूं, फिर लौटकर आऊंगा. उन्होंने सचमुच वापस आकर दिखा दिया!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, अब मुंबई महापालिका चुनाव में एक ओर उद्धव और राज ठाकरे मिलकर अपनी ताकत लगाएंगे तो दूसरी ओर बीजेपी जोर आजमाएगी. वहीं शक्ति परीक्षण हो जाएगा. यह एक बड़ा मुकाबला होगा क्योंकि बृहन्मुंबई महापालिका का बजट पूर्वोत्तर के सारे राज्यों के कुल बजट से भी ज्यादा है. देखना होगा कि वहां कौन बाजी मारता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11985 - डॉ. सागर खादीवाला

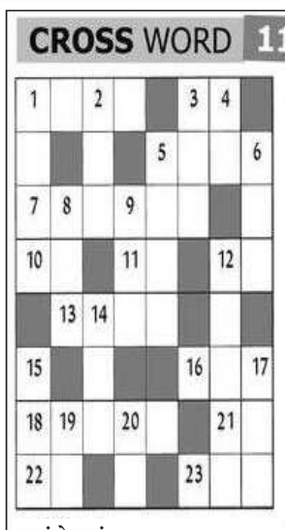

ऊपर से नीचे

1. मिठास, माधुर्य 2. नियंत्रित मूल्य और मात्रा में खाद्य या अन्य सामग्री के मिलने की व्यवस्था, खाने-पीने की मिलने वाली सामग्री (अं.) 3. दाह, आग (सं.) 4. माफी 5. परिश्रम 6. तारा, तारों के अश्विनी-भरणी आदि सत्ताईस समूह (सं.) 8. होम, मंत्र पढ़कर घी, जौ तैलादि अग्नि में डालने का कृत्य (सं.) 9. सचेत, सावधान 12. पाताललोक में बहने वाली गंगा 14. नाटा, बौना, विष्णु का एक अवतार (सं.) 15. पक्का बड़ा मकान 17. आक का पौधा 19. शरीर, देह 20. प्रात:काल

बाएं से दाएं

1. मदभरी आंखोवाली, मस्त नेत्रोंवाली (सं.) 3. कुशल, निपुण 5. अतिथि 7. जीवन व्यतीत करने और काम करने का ढंग 10. ताप, गर्मी, अधिकार मिश्रित क्रोध का आवेश, कागज का तख्ता 11. लोग, प्रजा 12. बरतन, अभिनेता, वह व्यक्ति जो किसी वस्तु को प्राप्त करने का अधिकारी हो (सं.) 13. नया-नया आया हुआ 16. लेखनी 18. वेतन लेकर काम करने वाला कर्मचारी 21. अशुद्ध, अस्वच्छ 22. तन्मय, ध्यानामग्न 23. बिना मजदूरी जबर्दस्ती लिया जाने वाला काम

Solution 11984

अ	द	ह	न		अ		म
ति		क		व	तु	र्थी	श
श	रा	ब		ह	ल		हू
य		का	ब्रि	ल		ब	र
	सो	ना		प	छा	ड़	
सु	ख		प	ह	ल	वा	न
ब	ना	ना		ल		न	वा
ह		व	ज्ञ		त	ल	य

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, आनन्दायक रहेगा,अध्ययन के प्रति आकस्मिक यात्रा का योग है, आर्थिक संसाधनों में सामान्य सुधार होगा, पारिवारिक समस्याओं से कष्ट होगा, वर्ष के मध्य में राजनीति के क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है, लाभप्रद समाचार मिलेगा, वर्ष के अन्त में मान सम्मान के प्रति सचेत रहें, आर्थिक लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम के बाद आंशिक लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आर्थिक संसाधनों में सुधार होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनीतिक मित्र द्वारा परिवर्तन होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, हंसमुख, मिलनसार, दयालु तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा. नौकरी या पैतृक कार्य में संलग्नता रहेगी. परिश्रमी होगा. मनोरंजन यात्रा में विशेष रूचि रहेगी. पिता का भक्त होगा.

मेष- व्यापरिक क्षेत्र में लोग अड़चन पैदा करने की कोशिश करेंगे. कुटुम्बियों के कार्यों को करने में व्यस्तता रहेगी. मन में उत्साह बना रहेगा. प्रतिष्ठा प्राप्त होगी.

वृषभ- महत्वपूर्ण योजना को पूरा करने काप्रयास करें. कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी. आर्थिक लाभ का योग है. कामकाजी महिलाओं को कार्य अधिक करना पड़ेगा.

मिथुन- पूर्व योजना के बिना शुरू किये गये कार्यों में असफलता का मुँह देखना पड़ेगा. अनावश्यक कार्यों में समय खर्च होगा. मन में उत्साह दायित्वों की पूर्ति होगी.

कर्क- कोर्ट कचहरी में चल रहे मामले और उलझ सकते हैं. धैर्य से काम लें. किसी व्यक्ति के द्वारा अपमान का शिकार होना पड़ सकता है, कार्यों में रूचि रहेगी.

सिंह- किसी बात को लेकर तनाव रहेगा. विरोधी वर्ग नुकसान पहुंचाने का भरसक प्रयास करेगा. किसी व्यक्ति की सलाह लेना हितकर रहेगा. रूपरेखा पर विचार विमर्श होगा.

कन्या- आप सभी प्रकार की समस्याओं से उबरने में सफल रहेगें. शुभ समाचारों मिलेगा. परिश्रम सार्थक होगा. अधिकारियों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है.

तुला- पारिवारिक मामलों का समाधान होगा. महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी. व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी.

वृश्चिक- नए निवेश लाभदायी रहेगें. मेहनत का फल मिलने लगेगा. शारीरिक कष्ट तथा मानसिक परेशानियों का समाधान होगा. व्यक्तित्व का विकास होगा.

धनु- तरक्की की सम्भावना बनेगी. शत्रु आपसे भयभीत होंगे. कोर्ट कचहरी के कार्यों में विलम्ब होगा. सुख शांति में कमी होगी. मांगलिक कार्य बनेंगें.

मकर- कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी. आकस्मिक योजनाओं से अच्छा लाभ होगा. रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी. कार्यों में परेशानी हो सकती है.

कुम्भ- कठोर परिश्रम करके विपरीत स्थिति को अनुकूल बना सकते हैं. स्वयं से कोई भूल होगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. लाभप्रद अवसरों की प्राप्ति होगी.

मीन- गलत तरीके से धन कमाने का प्रयास नुकसानदायक रहेगा. कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी. व्यापार व्यवसाय में पूंजी लगाने में पूर्ण सावधानी रखें.

उदयकालीन ग्रह चाल

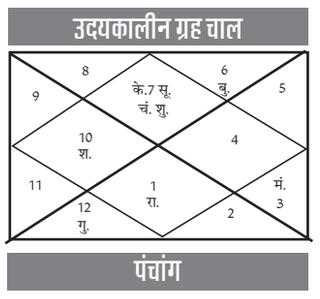

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल द्वादशी बुधवासरे दिन 12/41, मूल नक्षत्रे दिन 12/49, वैधृति योगे दिन 8/1, बालव करणे सू.उ. 5/27 सू.अ. 6/33, चन्द्रचार धनु, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

त्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल द्वादशी को मूल नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. किन्तु आज मंदी रहने पर गेहूं, चना में तेजी का रूख बना रहेगा. तिलहन में तेजी का योग है. सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 5719 है.

SUDOKU 7117

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7116

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9